VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN 20 AUG 2022 No. 3
RECEIVE

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1832)

Name of Candidate	SHASHI SHEKHAR		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	742438
Center	M.NAGAR	Date	20/08/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. Highlighting the vulnerability of India's critical infrastructure to cyber attacks, discuss the various steps taken by the government to boost cyber security. **(150 words) 10**

साइबर हमलों के प्रति भारत के महत्वपूर्ण अवसंरचना (क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर) की सुभेद्यता पर प्रकाश डालते हुए, साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों पर चर्चा कीजिए।

किसी भी देश की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक सुरक्षा तथा सुदृढ़ता उसके महत्वपूर्ण अवसंरचना पर ही निर्भर करती है जिसके अंतर्गत वित्तीय प्रणाली, बांध, परमाणु संयंत्र, ताप विद्युत गृह, शेयर बाजार आदि शामिल होते हैं।

महत्वपूर्ण अवसंरचना
- भौतिक अवसंरचना
- वित्तीय - ~~बांध~~ बैंक, शेयर बाजार
- परिवहन प्रणालियां, मेट्रो
- ऊर्जा अवसंरचना (ट्रांसमिशन लाइन आदि)
- संसद, विधानसभाएं, न्यायालय
- अत्यतृल रक्षा

⇒ साइबर हमलों के प्रति महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुभेद्यता

- तेजी से डिजिटलीकृत होते वित्तीय एवं बैंकिंग प्रणाली के सिस्टम में साइबर हमलों का खतरा जिसके अंतर्गत ग्राहकों की जानकारी, वित्तीय धोखाधड़ी, रैनसमवेयर एवं मालवेयर आदि मुद्दे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ महत्वपूर्ण भौतिक अवसंरचनाओं के सरल, सुगम एवं त्वरित प्रबंधन तथा संचालन में डिजिटल तकनीकों, इंटरनेट आदि का व्यापक उपयोग

- परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठानों, वितरण नेटवर्क, परिवहन प्रणालियों, मेट्रो सिस्टम, रेलवे, एक्सप्रेस वे पर सूचनाओं, जानकारियों, प्रचालन आदि में डिजिटलीकरण

- न्यायालयों, संसद, अस्पताल, पुलिस थानों, निजी दफ्तरों आदि में कार्यकाज हेतु बढ़ती इंटरनेट सुभेद्यता

साइबर सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम

- भारतीय राष्ट्रीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)
- भारतीय साईबर सुरक्षा समन्वयक (NSSC)
- भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (CERT-In)
- साइबर स्वच्छता केंद्र
- रक्षा साइबर एजेंसी
- राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल आदि

भविष्य में भारतीय सुरक्षा, आर्थिक हितों को देखते हुए उपरोक्त कदमों के साथ-2 क्षमता निर्माण, नवाचार, शोध एवं विकास तथा निवेश को बढ़ाकर साइबर सुरक्षा और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Discuss the role that space technology can play in strengthening India's border security. **(150 words) 10**

भारत की सीमा सुरक्षा को सुदृढ़ करने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

भारत एक विशाल भौगोलिक विविधता से युक्त, सीमाओं की जटिल संरचना वाला देश है जिसके अंतर्गत मैदानी सीमा, हिमालयी पहाड़, तटीय सीमा के साथ-2 नदी जल आधारित बेल्टतीब भूमि शामिल है।

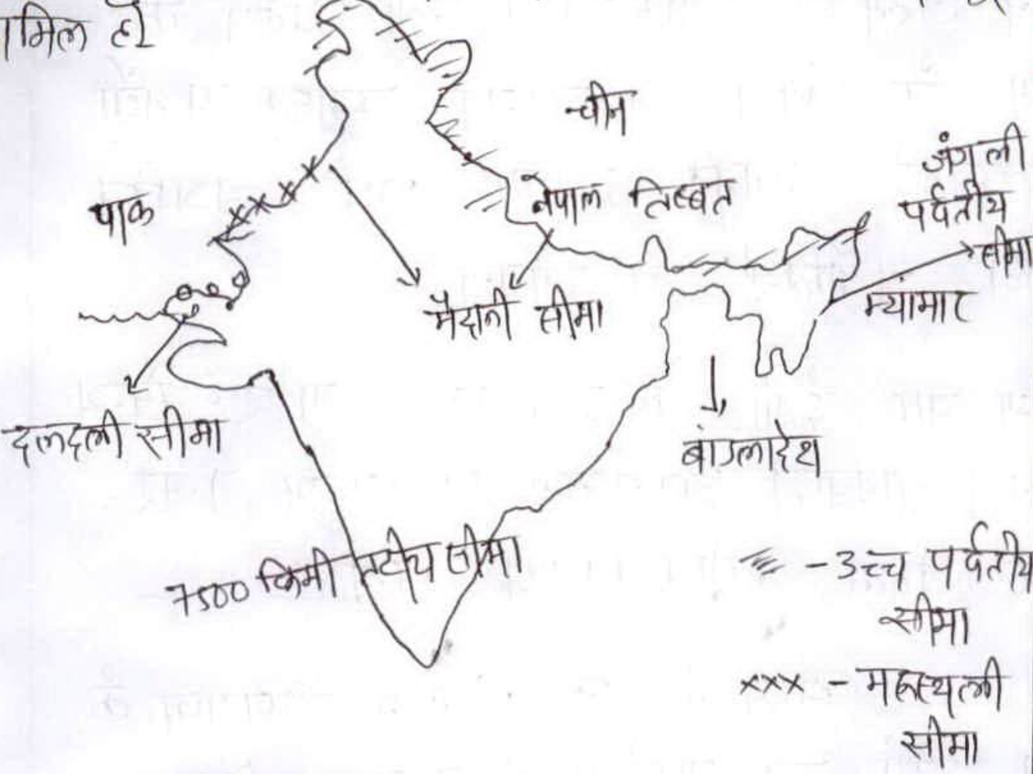

⇒ भारत की सीमा सुरक्षा सुदृढ़ता में अंतरिक्ष तकनीक की भूमिका

- सीमा की जटील भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप निगरानी करने में उपग्रहों के डाटा का उपयोग
- सीमा मानचित्रण खासकर नदियों के कारण बदलती

भौगोलिक विविधता तथा उच्च पर्वतीय-हिमालयी क्षेत्रों में सहायक जिससे सुरक्षा बलों द्वारा बेहतर योजना निर्माण

- रिमोट सेंसिंग के माध्यम से संबंधित प्रत्येक सीमाओं हेतु अलग-2 क्षेत्रीय दृष्टिकोण का विकास

- रियल टाइम डाटा एकत्रीकरण तथा ट्रैकिंग के माध्यम से अवैध अप्रवासन, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव दुर्व्यापार, आदि संगठित अपराध चुनौतियों का सामना

- सीमा पार देशों के द्वारा किए जा रहे सैन्य एवं अन्य बुनियादी अवसंरचना विकास पर नजर रखकर बेहतर नीति-निर्माण करना

भारत के एक अंतरिक्ष सुपरपावर के रूप में इसरो द्वारा सहयोग के कारण नाविक-IRNSS जैसे संचार प्रणालियां एवं अन्य मैपिंग, ट्रैकिंग आदि उपग्रहों की एक व्यापक श्रृंखला की मौजूदगी है जिससे भारत की सुरक्षा तथा एकता एवं अखंडता को बरकरार रखने में काफी मदद मिली है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the challenges associated with inclusion of women in armed forces, particularly in combat roles in India. How can these challenges be addressed? **(150 words) 10**

सशस्त्र बलों, विशेष रूप से भारत में युद्धक भूमिकाओं में महिलाओं को शामिल करने से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। इन चुनौतियों का समाधान कैसे किया जा सकता है?

हालिया समय में विभिन्न सशस्त्र बलों तथा सैन्य संगठनों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के प्रयास तीव्र हुए हैं। लैंगिक समानता के दृष्टिकोण को समाहित किये हुए महिलाओं को भी रक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका दी जा रही है।

महिलाओं को शामिल करने संबंधी चुनौतियां

- सशस्त्र बलों की तैनाती अगर युद्धक क्षेत्र अथवा आतंकवाद प्रभावित/अशांत क्षेत्रों में होती है तो दुश्मनों के द्वारा सामान्य सैन्य अपराधों के साथ-2 ~~वि~~ विभत्स लैंगिक अपराध की संभावना
- जटिल एवं दुर्गम क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के त्वरित निराकरण का आयाम
- अग्रिम चौकियों में गरिमापूर्ण जीवन-रहनसहन हेतु अनुकूल दशाओं का अभाव
- माहवारी जैसी महिला केंद्रित मुद्दों पर प्रबंधन कैसे किया जाए, इसकी चिंता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- युद्धक क्षेत्र में महिलाओं के लिए अलग अवसंरचना (रक्षा, शौचालय, स्नानघर आदि) विकास संबंधी मुद्दे तथा इनमें लागत तथा व्यवहार्यता संबंधी आयाम
- सेना तथा व्यापक युद्ध में आने हेतु महिलाओं का उतनी तीव्रता से मांग न करना आदि

उपरोक्त चुनौतियों के समाधान हेतु सुझाव

- चिह्नित क्षेत्रों में चरणवार तरीके से इनकी तैनाती करना तथा उनसे जुड़े आने वाली समस्याओं पर विचार-विमर्श करके एक समग्र रणनीति का विकास
- इस संबंध में युद्ध संबंधी दुश्मनों के द्वारा यौनिक अपराध रोकने हेतु एक दृढ़, कानूनी तथा अंतर्राष्ट्रीय फ्रेमवर्क पर वार्ता तथा हस्ताक्षर
- राजनीतिक स्तर पर महिला भागीदारी को प्रोत्साहन
- युद्ध में सहायक भूमिकाओं (स्वास्थ्य देखभाल, द्वितीय फ्रंट पर तैनाती, बैक ऑफिस में संचालन संबंधी रोल, साइबर निगरानी आदि) में प्रोत्साहन
- जागरूकता तथा शिक्षा को बढ़ावा देना
- महिला केंद्रित अवसंरचना विकास पर ध्यान देना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What do you understand by hybrid warfare? Discuss India's preparedness in this context. **(150 words) 10**

हाइब्रिड वारफेयर से आप क्या समझते हैं? इस संदर्भ में, भारत की तैयारियों की विवेचना कीजिए।

हाइब्रिड वारफेयर का तात्पर्य परंपरागत युद्ध प्रणालियों के साथ गैर-परंपरागत एवं उभरती हुयी तकनीकों के मिश्रित सामंजस्य से है।

डिजिटल प्रगति, साइबर तकनीकी, कृत्रिम बुद्धिमता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तथा ऑटोमेशन, ड्रोन आदि तकनीकों के हो रहे तीव्र विकास ने देशों की युद्धक क्षमता में काफी परिवर्तन लाया है।

हाइब्रिड वारफेयर से जुड़े आयाम

- भविष्य का युद्ध सेनाओं की सीमा पर ही सिर्फ ना होते हुए संबंधित देश की आंतरिक सुरक्षा, लोक व्यवस्था, महत्त्वपूर्ण भौतिक तथा साइबर अवसंरचनाओं पर भी प्रहार से जुड़ा होगा।

वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध में उपरोक्त आयामों की भूमिका देखी जा सकती है।

- युद्ध संबंधी पूरी तैयारी का डिजिटल माध्यमों से प्रबंधन से उसकी सुभेद्यता साइबर हमलों के प्रति

- सैटेलाइट आधारित संचार एवं सूचना तकनीक की सैन्य संचालन में भूमिका
- मिसाइलों, टैंकर, रक्षा-प्रणालियों, युद्धक विमानों आदि के संचालन में सैटेलाइटों का रोल तथा इनपर साइबर हमलों एवं हैकिंग का खतरा

हाइब्रिड वारफेयर के संबंध में भारत की तैयारियां

- महत्वपूर्ण सैन्य अवसंरचना में साइबर सुरक्षा बढ़ाने हेतु क्षमता-निर्माण पर ध्यान
- गैर-मित्र देशों की कंपनियों से सैन्य खरीद तथा महत्वपूर्ण अवसंरचना हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर खरीद हेतु अतिरिक्त सतर्कता
  जैसे- हुवाई (चीनी कंपनी) की 5G तकनीक में रोक
- सैन्य सूचना आदान-प्रदान हेतु इंक्रिप्टेड सूचना प्रणालियों का उपयोग
- नाविक, भुवन, IRNSS, आदि के द्वारा स्वदेशी अवसंरचना ढांचा प्रोत्साहन

21वीं सदी में भारतीय सुरक्षा सुदृढ़ता के लिए हाइब्रिड वारफेयर संबंधी नीति-निर्माण एवं शोध-अनुसंधान पर व्यापक ध्यान देना होगा।

5. Discuss the rationale behind delegating policing powers to Central Armed Police Forces (CAPFs) in border states. Highlight the issues arising from it. (150 words) 10

सीमावर्ती राज्यों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) को पुलिस अधिकार सौंपने के पीछे निहित तर्क पर चर्चा कीजिए। इससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

हाल ही में, केंद्र सरकार ने BSF की सीमा (पाक, बांग्लादेश, म्यांमार) के 50 किमी के अंदर तक तलाशी, जब्ती एवं गिरफ्तारी अधिकार को बढ़ाया है जिससे CAPFs को पुलिस शक्ति सौंपने का मुद्दा जागृत हुआ है।

सीमावर्ती राज्यों में CAPFs को पुलिस अधिकार सौंपने के पीछे तर्क

- सीमा प्रबंधन में इनकी दक्षता तथा प्रभावकारिता में सुधार
- तेजी से बदलते सुरक्षा आयामों के मद्देनजर सीमा सुरक्षा बलों को ज्यादा अधिकार देना समय की मांग
- मरुस्थलों, घने जंगलों, घनी आबादी, जैसे विविध सीमा जटिलताओं की वजह से सीमा पार अपराधियों के पकड़ने में आसानी
- मादक पदार्थों की तस्करी, मानव दुर्व्यापार, अवैध अप्रवासन आदि संगठित अपराधियों का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सीमापार स्थानीय संपर्क जुड़ाव जिससे उनका तेजी से देश के अंदरूनी आंतरिक हिस्सों में प्रवेश जैसे- रोहिंग्याओं द्वारा दिल्ली, जम्मू, हैदराबाद आदि तक पहुंच जाना

उपरोक्त की वजह से उत्पन्न चुनौतियां

- पुलिस एवं कानून व्यवस्था राज्य सूची का विषय जिससे राज्य-केंद्र टकराव की आशंका
- सहकारी संघवाद की भावना के प्रतिकूल
- राज्य पुलिस की क्षमता पर प्रश्नचिन्ह उठाना
- केंद्रीय बलों तथा राज्य पुलिस के मध्य अपराध कार्यक्षेत्र को लेकर टकराव जिससे अपराधियों को फायदा
- लोकल पुलिस के पास स्थानीय भौगोलिक एवं सामाजिक-राजनैतिक समस्याओं की ज्यादा जानकारी जिससे तुलनात्मक रूप से CAPFs को कम लाभ
- राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी व्यापक आयाम पर नीतिगत बंटा होना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Discuss the factors that have helped sustain Left Wing Extremism (LWE) in India. What steps has the government taken in recent times to counter LWE? (150 words) 10

उन कारकों पर चर्चा कीजिए जिन्होंने भारत में वामपंथी उग्रवाद (LWE) को बनाए रखने में सहायता की है। LWE से निपटने के लिए सरकार ने हाल के दिनों में क्या कदम उठाए हैं?

उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तरी आंध्र प्रदेश, पूर्वी महाराष्ट्र में वामपंथी उग्रवाद (LWE) की समस्या आज भी व्यापक है

⟹ वामपंथी उग्रवाद की निरंतरता के कारक

- संबंधित क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों की व्यापक एवं प्रचुर उपलब्धता लेकिन उनके आर्थिक लाभों तक स्थानीय आबादी की निम्न पहुंच

- बिहार, बंगाल आदि में भूमि संसाधनों का गैर-न्यायोचित बंटवारा तथा पुनर्वितरण

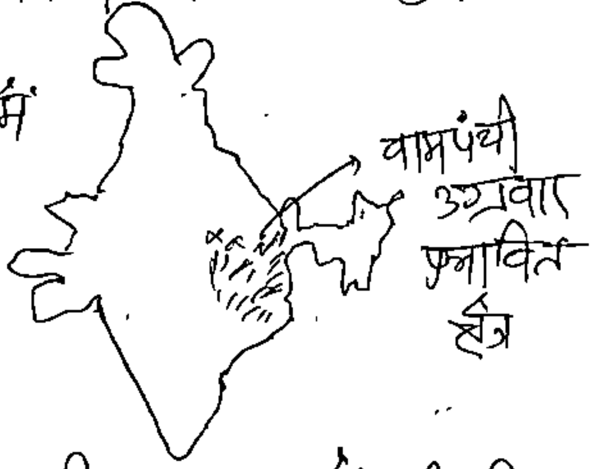

- आदिवासी तथा जनजातीय समुदायों की निम्न आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक दशा

- दुर्गम तथा जटिल भौगोलिक कारकों से अवसंरचनात्मक पिछड़ापन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ कमजोर होना
- राजनीतिक नेतृत्व में LWE को खत्म करने के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति में कमी

LWE से निपटने के लिए हालिया सरकारी प्रयास

- स्कूल, अस्पताल, मोबाइल टावर आदि भौतिक अवसंरचना में तीव्र तथा व्यापक विकास संबंधी योजनाएँ
- उपरोक्त क्षेत्रों हेतु ज्यादा बजटीय आवंटन
- नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों में तेजी
- वन अधिकार कानून, पेसा एक्ट आदि के माध्यम से स्थानीय विकास को प्रोत्साहन
- सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता बढ़ाना तथा उनके द्वारा सर्च ऑपरेशनों को ज्यादा संख्या में अंजाम देना
- शहरी वामपंथी विचारकों की अतिवादिता पर लगाम के प्रयास करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Provide an account of the statutory and institutional framework for preventing money laundering in India. (150 words) 10
भारत में मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम के लिए वैधानिक और संस्थागत ढांचे का विवरण दीजिए।

मनी लॉन्ड्रिंग सिर्फ एक वित्तीय अपराध ना होकर व्यापक आर्थिक अपराध है जिससे देश की सुरक्षा गहरी रूप से जुड़ी हुयी होती है।

भारत में मनी-लॉन्ड्रिंग रोकथाम हेतु ढांचा

- प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA, 2002) के तहत धनशोधन को परिभाषित एवं व्याख्या करके एक व्यापक कानूनी, नीतिगत ढांचे का प्रावधान
- PMLA के तहत कार्रवाई हेतु वित्त मंत्रालय के अंतर्गत प्रवर्तन निदेशालय (ED) का गठन जिसके ध्येय धनशोधन से जुड़े मुद्दों तथा आतंक के वित्तपोषण पर नजर रखना, कार्रवाई करना, जांच करना तथा संबंधित लोगों एवं संगठनों के विरुद्ध केस दर्ज करके उनको न्याय के कटघरे में खड़ा करना
- वित्त मंत्रालय के अंतर्गत वित्तीय आसूचना इकाई (FIU)

के द्वारा वित्तीय लेनदेन से संबंधित मामलों पर नजर रखना

- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के द्वारा संबंधित मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मनी-लांड्रिंग मामलों को ED तक प्रेषित करना

- भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत प्रावधान

धनशोधन से उत्पन्न चुनौतियों पर उपरोक्त वैधानिक-संस्थागत ढांचों की भूमिका

- आर्थिक अपराधी, संगठित अपराध में लिप्त लोगों तथा संगठनों आदि पर छापामारी करके उनके अवैध धन का पता लगाना
- देश के वित्तीय ढांचे की सुरक्षा करना
- आतंकवाद- अपराध गठजोड़ में मनी-लांड्रिंग के पैसे के उपयोग से जुड़े आयामों पर नजर रखकर राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता-अखंडता को बढ़ावा देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Highlight the critical role that the National Security Guard (NSG) plays in ensuring internal security of India. **(150 words) 10**

भारत की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालिए।

जटिल एवं विविध आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से भरे भारत में एक केंद्रीय पुलिस संगठन के रूप में NSG द्वारा आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जाती है।

आंतरिक सुरक्षा तथा NSG की भूमिका

- आतंकवाद के संदर्भ में NSG का रोल काफी महत्वपूर्ण है। 26/11 के मुंबई हमलों के दौरान NSG कमांडो की प्रभावी भूमिका से ही आतंकवादियों के शीघ्र एवं समूल नष्ट करने में मदद मिली थी।

- भीड़भाड़ भरे शहरों, रेलवे स्टेशनों, बसों, बंदरगाहों, मेट्रो आदि में आतंकवादी खतरों की जोखिम तथा सुभेद्यता काफी एवं इस संदर्भ में NSG के द्वारा त्वरित, सटीक एवं प्रभावी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्रवाई सुनिश्चित करके आंतरिक सुरक्षा को बढ़ावा

- प्लेन हाईजैक करके खुंखार आतंकवादियों की रिहाई एवं 9/11 जैसे अटैक के प्रति NSG द्वारा ऑपरेशन हेतु क्षमता निर्माण

- बंधक बनाकर आतंकवादियों की कार्रवाई को विफल बनाने में NSG की दक्षता एवं मानव-संसाधन क्षमता

- महत्वपूर्ण अवसंरचना पर हमलों को तेजी से सटीक प्रतिउत्तर देकर जानमाल की क्षति को कम से कम करना

- देश के महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा अतिविशिष्ट लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना ताकि राजनीतिक नीति-निर्माण को भयमुक्त वातावरण प्रदान करके आंतरिक सुरक्षा को बढ़ावा

बदलते सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के तहत NSG को पर्याप्त बजट, मानव-संसाधन विकास एवं प्रौद्योगिकी पहुंच देने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Do you agree with the view that India needs to establish a dedicated Space Force to address its military needs? **(150 words) 10**

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि भारत को अपनी सैन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक समर्पित अंतरिक्ष बल स्थापित करने की आवश्यकता है?

अंतरिक्ष में किसी देश की महत्त्वपूर्ण उपस्थिति आज के डिजिटल तथा उभरती प्रौद्योगिकीय वातावरण में एक सामरिक बढ़त को सुनिश्चित करती है।

भारत की सैन्य आवश्यकता तथा समर्पित अंतरिक्ष बल स्थापना के पक्ष में विचार

- चीन की बढ़ती आक्रामक कार्यवाहियाँ जो ना सिर्फ सीमा विवाद तक सीमित है बल्कि अंतरिक्ष में दूसरे देशों के उपग्रहों/अवसंरचनाओं को नष्ट करने की क्षमता को प्रतिसंतुलित करने हेतु
- महत्त्वपूर्ण सैन्य सूचना आदानप्रदान तथा डाटा प्रवाह में सैटेलाइट की भूमिका को देखते हुए
- हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में एक निवल सुरक्षा प्रदाता (NSP) की भूमिका को देखते हुए
- चीन-पाक गठजोड़ तथा 2 मोर्चों पर युद्ध की संभावना के मद्देनजर त्वरित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मिसाइल, रॉकेट आदि संचालन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए

- सैन्य सूचना में डाटा गोपनीयता को देखते हुए
- महत्वपूर्ण अंतरिक्ष तकनीक तथा अवसंरचनाओं की सुरक्षा हेतु एक समग्र दृष्टिकोण हेतु

समर्पित अंतरिक्ष बल के विषय में विवाद

- इस ओर वित्तपोषण तथा धन की कमी
- वर्तमान सेनाओं का ही पर्याप्त आधुनिकीकरण नहीं
- अन्य विकसित देशों द्वारा ऐसे किसी समर्पित बल का विकास नहीं
- अंतरिक्ष में हथियारों की दौड़ बढ़ने का जोखिम
- मिशन शक्ति जैसे ASAT का पहले ही होना

समर्पित अंतरिक्ष बल की दिशा में आगे बढ़ने से पूर्व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा समन्वय बढ़ाकर इस दिशा में एक वैश्विक संस्था/कानून बनाना ज्यादा प्रभावी कदम होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Discuss how cryptocurrencies can become a tool of money laundering in India. Also, highlight the steps taken by the government in this regard. **(150 words) 10**

चर्चा कीजिए कि भारत में क्रिप्टोकरेंसी मनी लॉन्ड्रिंग का एक उपकरण कैसे बन सकता है। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डालिए।

ब्लॉकचेन आधारित क्रिप्टोकरेंसी जैसे- बिटक्वाइन, इथेरियम आदि के प्रति बढ़ती भागीदारी से इसके मनी-लॉन्ड्रिंग एवं आतंकी वित्तपोषण संबंधी सुभेद्यता पर चिंता प्रकट हो रही है।

क्रिप्टोकरेंसी तथा मनी-लॉन्ड्रिंग

- अवैध रूप से अर्जित धन, मादक पदार्थों तथा मानवों की तस्करी, संगठित अपराध आदि से हुए आय का क्रिप्टो में निवेश
- क्रिप्टो में निवेश का अविनियमित तथा अप्रतिबंधित स्वरूप में होना, जिससे अवैध धन का इनमें निवेश एवं उसके रिटर्न को जानबूझकर या रेगुलेट करके वापस वित्तीय प्रणाली में शामिल करने का जोखिम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- क्रिप्टो में निवेश हेतु अर्जित अवैध धन को हवाला माध्यमों से प्रयोग
- चूँकि क्रिप्टो में उतार-चढ़ाव का कोई सरकारी संस्थागत विनियमन नहीं जिससे मानवीय रूप से अप्रत्याशित लाभ दिखाकर अवैध धन को वैध करने का प्रयास आदि

इस दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- क्रिप्टोकरेंसी तथा डिजिटल मुद्रा विनियमन अधिनियम के द्वारा उच्च कर (30%) आरोपित करके क्रिप्टो में निवेश को हतोत्साहित करने का प्रयास
- वित्तीय आसूचना एजेंसियों की दक्षता एवं क्षमता में सुधार करके संबंधित डाटा एकत्रीकरण
- क्रिप्टो एक्सचेंज तथा क्रिप्टो में धनप्रवाह से जुड़े हितधारकों (बैंकों, वॉलेट, कार्ड कंपनियों) के अपने ग्राहकों से संबंधित संभावित अवैध लेनदेन हेतु डाटा एकत्र करके उनका प्रोसेस करने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Radicalisation of youth by extremist organisations poses a serious security risk to India. Discuss. Also, suggest measures for de-radicalisation.
(250 words) 15

चरमपंथी संगठनों द्वारा युवाओं का कट्टरपंथीकरण भारत के समक्ष सुरक्षा संबधी एक गंभीर जोखिम प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, कट्टरपंथ को समाप्त करने के उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत में व्याप्त धार्मिक, नृजातीय विविधता की वजह से चरमपंथी एवं कट्टरपंथी संगठनों द्वारा युवाओं को बहलाने-फुसलाने संबंधी घटनाओं की सुभेद्यता बढ़ जाती है।

चरमपंथी संगठनों द्वारा युवाओं का कट्टरपंथीकरण

- सोशल मीडिया की तीव्र उपलब्धता, सस्ता इंटरनेट, अशिक्षा के वजह से चरमपंथी संगठनों द्वारा खासकर धार्मिक रूप से अल्पसंख्यक वर्गों में असंतोष को बढ़ावा देना
- सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक, भाषाई तथा नृजातीय अल्पसंख्यकों की आर्थिक-सामाजिक दशा का निम्नतर होना
- फेक न्यूज का प्रसार
- हेट स्पीच की वजह से अशिक्षित एवं सुभेद्य युवाओं का कट्टरपंथीकरण – हालिया नुपुर शर्मा के मामले के बाद कई युवकों के कट्टरपंथी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समूहों से जुड़ाव का पता लगाना।

कट्टरपंथीकरण से सुरक्षा संबंधी जोखिम

- सुरक्षा के तेजी से बदलते जोखिम एवं खतरों के दृष्टिगत कट्टरपंथी ताकतों को रोकने संबंधी सुरक्षा एजेंसियों के पास बुनियादी ढांचों की कमी
- हाइब्रिड आतंकियों, ओवर ग्राउंड वर्कर्स आदि के द्वारा अपने आसपास के युवाओं को इस ओर प्रेरित करना.
- भारत के सामाजिक समरसता पर प्रहार करने की मंशा।
- देश की एकता, अखंडता के समक्ष खतरा बढ़ाना तथा देशविरोधी ताकतों को संरक्षण प्रदान करना
- लोन वुल्फ अटैक जैसे मामलों हेतु युवाओं का बरगलाना।
- देश की युवा संसाधन आबादी पर प्रतिकूल चोट पहुंचाना
- धार्मिक विविधता पर प्रहार करके चरमपंथी अतिवाद आधारित धार्मिक द्वेष फैलाना। आदि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कट्टरपंथ समाप्त करने हेतु उपाय/सुझाव

- फेक-न्यूज जैसी साइबर अपराधों पर लगाम लगाने हेतु सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों में क्षमता निर्माण को बढ़ावा
- हेट स्पीच पर रोकथाम हेतु सख्त कानूनी उपायों पर जोर
- युवाओं में राष्ट्रीय एकजुटता बढ़ाने के प्रयास करने हेतु एक-भारत, श्रेष्ठ भारत, स्वदेश दर्शन जैसी पहलों का प्रसार करना
- धार्मिक-गुरुओं (खासकर मदरसा के मौलवी आदि) के साथ सामंजस्य बैठाते हुए युवाओं में सकारात्मक सोच के प्रयासों को तीव्रता से बढ़ावा
- यूथ आइकनों के द्वारा खेल, सरकारी नौकरी, फिल्मों आदि में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना
- चरमपंथी संगठनों, ओवरग्राउंड वर्कर्स, हाइब्रिड/पार्ट-टाइम आतंकियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना
- राजनीतिक दलों के द्वारा स्थानीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर जागरूकता तथा संवाद को बढ़ावा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Recent events have highlighted that nations with weak militaries cannot sustain themselves against technologically advanced adversaries. Discuss. What lessons can India learn from these events? **(250 words) 15**
हाल की घटनाओं ने यह उजागर किया है कि दुर्बल सैन्य ताकत वाले राष्ट्र तकनीकी रूप से उन्नत शत्रुओं के खिलाफ स्वयं को वनाए नहीं रख सकते हैं। चर्चा कीजिए। इन घटनाओं से भारत क्या सीख प्राप्त कर सकता है?

यूक्रेन कई पैमानों पर एक संपन्न विकसित राष्ट्र था लेकिन यूक्रेन के पास सैन्य संसाधन तथा बेहतर सैन्य शक्ति की कमी हालिया रूस-यूक्रेन युद्ध में स्पष्टतः दिखाई देती है।

⇒ **कमजोर सैन्यशक्ति का परिणाम**

– राष्ट्र अपने एकता तथा अखंडता को बनाए रखने में तुलनात्मक अक्षम

– आर्थिक संपन्नता से भी युद्ध रण में ज्यादा मदद ना मिल पाना क्योंकि युद्ध में मानव संसाधन/सैनिक क्षमता तथा अत्याधुनिक सैन्य साजोसामान की महत्त्वपूर्ण भूमिका

– महत्त्वपूर्ण नागरिक अवसंरचनाओं पर युद्ध के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समय दुश्मनों की आसान पहुँच
- साइबर हमलों तथा हैकिंग का खतरा
- राष्ट्र के समग्र आत्मविश्वास में गिरावट

→ तकनीकी उन्नति का युद्धक्षेत्र में लाभ

- हाइब्रिड तथा साइबर वारफेयर के साथ युद्ध में तेज बढ़त हासिल करना
जैसे- रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरूआती कुछ समय के अंदर ही यूक्रेनी राजधानी कीव तथा रूसी बलों की पहुँच

- दुश्मन राष्ट्र की सैन्य-तकनीकी अवसंरचना पर साइबर हमलों के माध्यम से या तो पहुँच स्थापित करना या उसे नष्ट करना

- दुश्मन राष्ट्र की परिवहन प्रणाली, ऊर्जा अवसंरचना, आर्थिक-वित्तीय सिस्टम पर तेज तकनीकी अटैक करके उसे त्वरित गति से अपने पाले में करना आदि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त के संदर्भ में भारत को क्या सीखना चाहिए?

- अपनी सैन्य ताकत को तीव्रता से बढ़ाना वर्तमान में भारत अपनी जीडीपी का 2% से भी कम रक्षा व्यय पर खर्च करता है जिसे तत्कालिक रूप से बढ़ाने की आवश्यकता।

- सैन्य क्षेत्र में तकनीकी क्षमता और दक्षता को बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम उठाना

- नागरिकों को जागरूक करके देशभक्ति बढ़ाने एवं सैन्य प्रशिक्षण देने पर जोर देना।

- शोध, अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देकर नयी सुरक्षा तकनीकों तथा प्रणालियों के विकास को स्टार्टअप, ~~नीजि नीजि~~ निजी क्षेत्र से जोड़ना (जैसे- iDex प्रोग्राम आदि)

13. The dark web can be an ideal platform for several criminal and terrorist activities. Discuss with examples. Also, suggest measures to tackle the misuse of dark web. **(250 words) 15**

डार्क वेब कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों के लिए एक आदर्श मंच हो सकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। साथ ही, डार्क वेब के दुरुपयोग से निपटने के उपायों का सुझाव दीजिए।

डार्क वेब वेब की वैसी स्थिति का सूचक है जहां गूगल आदि सामान्य ब्राउज़रों की मदद से पहुँच ना होकर TOR जैसे ब्राउज़र की आवश्यकता होती है।

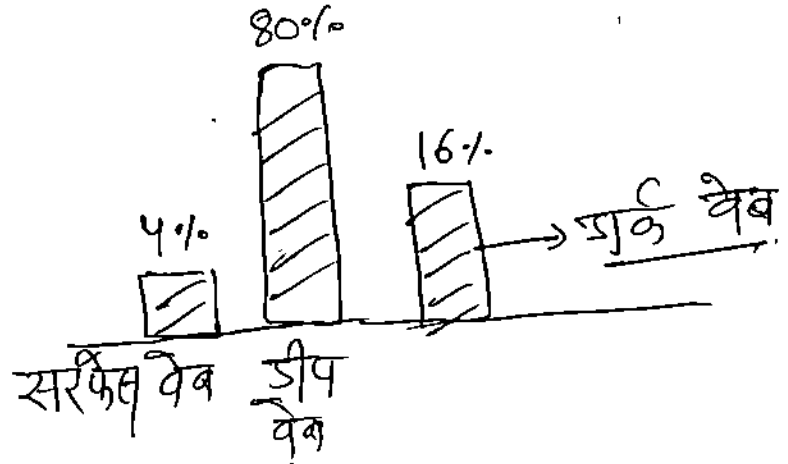

डार्क वेब तथा आपराधिक एवं आतंकवादी गतिविधियों में इसका प्रयोग

- चूंकि डार्क वेब तक पहुँच पर सरकारी एवं विनियामक एजेंसियों की प्रभावी पहुँच नहीं रहती है अतः इस मंच का उपयोग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करके आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

– मादक पदार्थों की तस्करी, मानवों तथा अंगों का अवैध व्यापार, वन्यजीवों तथा पशुओं की तस्करी आदि के प्रबंधन तथा व्यापार हेतु डार्क वेब का इस्तेमाल संभव

– अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक एवं आतंकवादी गिरोहों के द्वारा डार्कवेब के इस्तेमाल से हथियारों, हथियार प्रणालियों, उन्नत रक्षा एवं दूरसंचार उपकरणों आदि के व्यापार को संपन्न करना संभव जिससे संप्रभु राष्ट्रों के आंतरिक सुरक्षा, लोक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-2 अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा एवं स्थायीत्व पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह

– नार्को-आतंकवाद, जैव-आतंकवाद आदि को बढ़ावा देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

डार्क वेब के दुरुपयोग से निपटने हेतु सुझाव

- एक संयुक्त राष्ट्र समर्थित तथा अंतर्राष्ट्रीय सहमति प्राप्त तंत्र/फ्रेमवर्क के विकास को प्रोत्साहन जिससे डार्क वेब पर नजर रखना संभव

- डार्क वेब की डिकोडिंग संबंधी क्षमताओं का विकास करने हेतु सुरक्षा तथा खुफिया एजेंसियों द्वारा बुनियादी अवसंरचनात्मक विकास

- इस दिशा में तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन

- शोध- अनुसंधान को पर्याप्त वित्तपोषण एवं निवेश तक पहुँच बढ़ाना

- बड़ी तकनीकी कंपनियों (गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, IBM आदि) के साथ सहयोग- समन्वय बढ़ाकर उपायों का सेट तैयार करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. What are Integrated Theatre Commands (ITCs)? Discuss the importance of setting up ITCs in India and challenges in this regard. **(250 words) 15**

एकीकृत थिएटर कमान (ITCs) क्या हैं? भारत में ITCs की स्थापना के महत्व और इससे संबंधित चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

एकीकृत थियेटर कमान से आशय वर्तमान सेनाओं के अलग-2 प्रकारों, यथा- थलसेना, वायुसेना, नौसेना, तटरक्षक बल आदि के संयुक्त समन्वयकारी स्वरूप से है, जहाँ किसी भी कार्यक्रम संचालन ~~की~~ में सभी की प्रभावी एवं समन्वित भागीदारी को बढ़ावा देने का दृष्टिकोण समाहित रहता है।

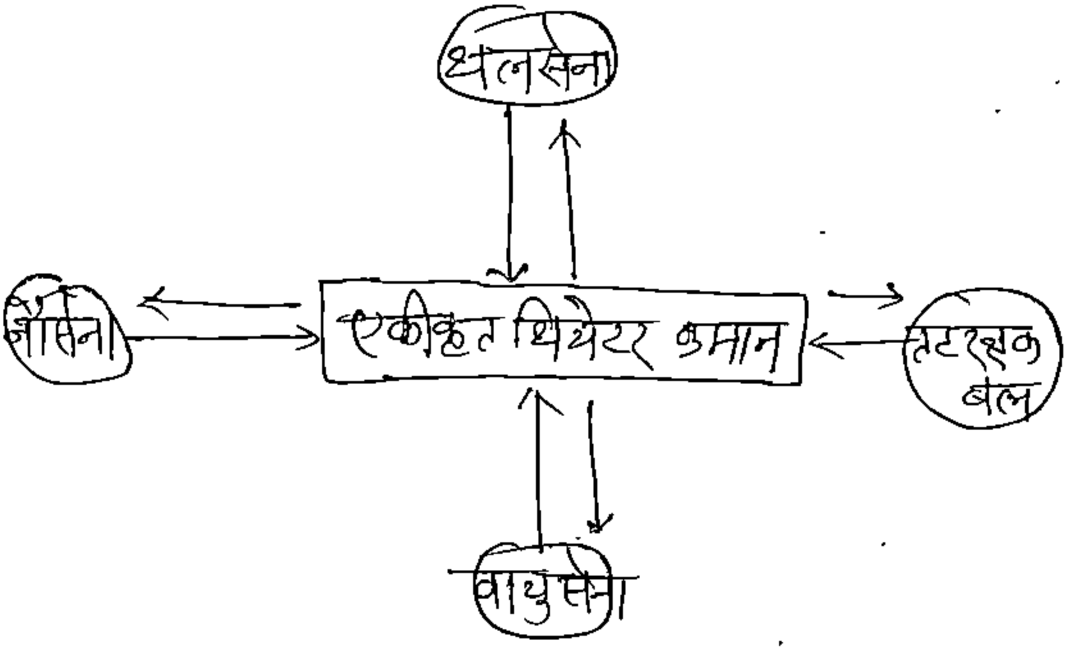

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में ITCs की स्थापना का महत्व

- अंडमान तथा निकोबार कमांड (ANC) के रूप में एक एकीकृत थियेटर की उपस्थिति का प्रयोग भारत पहले ही कर चुका है।
इसके अलावा पश्चिमी थियेटर कमान, उत्तरी थियेटर कमान, मैरिटाइम थियेटर कमान जैसे अन्य प्रस्ताव भी विचाराधीन हैं।
- थियेटर कमानों की स्थापना से सैन्य क्षेत्र में विभिन्न बलों की दक्षता एवं परिचालन की प्रभाविकता में तीव्र सुधार
- युद्ध के दौरान निर्णय निर्माण प्रक्रिया को संसाधनों के इष्टतम उपयोग के साथ समन्वित करना
- मानव संसाधन तथा सैन्य साजोसामानों के बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा
- चीन की बढ़ती आक्रामकता, चीन-पाक गठजोड़ के वजह से 2 मोर्चों पर युद्ध जैसे हालातों में बेहतर सैन्य संचालन

- हिंद महासागर क्षेत्र में निवल सुरक्षा प्रदाता के रूप में तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक शक्ति के रूप में भूमिका निर्वहन हेतु सैन्य क्षमता दोहन का विकास

एकीकृत थियेटर कमान से संबंधित चुनौतियां

- थलसेना के आकार तथा संख्या के दृष्टिगत एकीकृत थियेटर कमान में थलसेना के वर्चस्व संबंधी चिंता
- तीनों सेनाओं के मध्य आपसी संघर्ष तथा प्रभुत्व बनाए रखने संबंधी चिंता
- इस दिशा में आगे बढ़ने हेतु पर्याप्त विचार-विमर्श तथा सभी हितधारकों की भागीदारी से संबंधित अस्पष्टता
- अलग-2 रैंक तथा आंतरिक संचालन प्रक्रिया से मानव-संसाधन प्रबंधन संबंधी आयाम
- अवसंरचना विकास तथा निवेश में वित्तपोषण की कमी
- सेनाओं की अलग-2 कार्यक्षमता पर नकारात्मक प्रभाव संभव

15. Decoupling organized crime from terrorism requires a holistic approach. Comment. **(250 words) 15**
संगठित अपराध को आतंकवाद से अलग करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। टिप्पणी कीजिए।

संगठित अपराध के अंतर्गत मादक पदार्थों की तस्करी, मानव अवैध दुर्व्यापार, अवैध वन्यजीव तथा उनके अंगों की तस्करी, मवेशी तस्करी आदि आयाम शामिल होते हैं।

वहीं आतंकवाद एक ऐसी अवधारणा है जिसके अंतर्गत देश की सुरक्षा तथा एकता एवं अखंडता को खंडित करने के लिए हिंसक तौर-तरीकों तथा हमलों का सहारा लिया जाता है।

संगठित अपराध तथा आतंकवाद के मध्य संबंध

- संगठित अपराध में लिप्त लोगों द्वारा आतंकवादियों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग एवं समर्थन.
- संगठित अपराध द्वारा अर्जित अवैध धन का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के वित्तपोषण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

में संभव

- सीमापार अवैध अप्रवासन तथा तस्करी को आतंकवादियों के द्वारा हमलावर व्यक्तियों एवं हथियारों तथा गोला-बारूद के आवाजाही के माध्यम के रूप में इस्तेमाल करना

- नकली नोटों की तस्करी, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा अन्य वस्तुओं की तस्करी के द्वारा देश की अर्थव्यवस्था पर प्रहार करके आर्थिक आतंकवाद को बढ़ाने में संगठित अपराधियों की भूमिका

संगठित अपराध तथा आतंकवाद के मध्य अंतर

- संगठित अपराध में लिप्त व्यक्तियों/संगठनों का प्राथमिक उद्देश्य धन की प्राप्ति रहता है जिसके लिए वे तस्करी, अवैध आवाजाही आदि माध्यमों का सहारा लेते हैं,

वहीं आतंकवादियों का मुख्य उद्देश्य देश की एकता-अखंडता पर हिंसक प्रहार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करके सुरक्षा संबंधी गंभीर खतरों को जन्म देना रहता है।

— सामान्यतः आतंकवादियों का दृष्टिकोण हिंसक हमला करके, भीड़भाड़ में बम-विस्फोट करके, अंधाधुंध गोलीबारी करके दहशत फैलाने के साथ-2 जान-माल तथा अवसंरचना को क्षति पहुंचाकर सरकार को अस्थिर करना होता है।
वहीं संगठित अपराधियों द्वारा सामान्यतः ऐसे हिंसक हमले नहीं किये जाते हैं।

— आतंकवादी विशिष्ट धार्मिक या नृजातीय कट्टरपंथ से युक्त वहीं संगठित अपराधियों में ऐसा आवश्यक नहीं

उपरोक्त के मद्देनजर यह आवश्यक है कि इनके अंतर्संबंधों पर प्रहार करके इनकी एकजुटता पर प्रतिकूलतः प्रभाव डालना होगा। संगठित अपराधों में लिप्त व्यक्तियों/संगठनों के स्थानीय जुड़ाव को खत्म करके यह संभव है।
हालांकि दोनों के उद्देश्य भिन्न हैं, पर प्रभाव में समानता विद्यमान है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. India faces a number of security threats and challenges that originate from the seas. Discuss. Also, give an account of the initiatives taken to strengthen the coastal security of India in recent times. **(250 words) 15**

भारत समुद्र से उत्पन्न होने वाले अनेक सुरक्षा खतरों और चुनौतियों का सामना करता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, हाल के दिनों में भारत की तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई पहलों का विवरण दीजिए।

भारत के पास लगभग 7500 किमी तटीय सीमा होने के साथ-2 अंडमान-निकोबार तथा लक्षद्वीप के रूप में अनेक द्वीप हैं जो समुद्री सुरक्षा खतरों एवं जोखिमों के प्रति इसकी सुभेद्यता बढ़ा देते है।

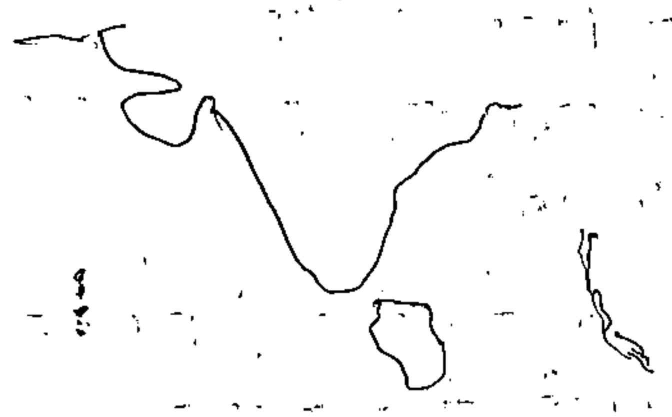

समुद्री सुरक्षा खतरें तथा चुनौतियां

- 26/11 हमलों के दौरान समुद्री मार्ग से ही हमलावरों का भारत प्रवेश
- लंबी तटीय सीमा की वजह से निगरानी

में चिंताएं जिससे अवैध आवाजाही की सुभेद्यता

- कच्छ के रण जैसी दलदल भूमियों के माध्यम से अवैध गतिविधियों को प्रोत्साहन

- पश्चिमी तटीय सीमा में पाक प्रायोजित आतंकवादियों के प्रवेश से जुड़ी सुभेद्यता

- पूर्वी तटीय सीमाओं के माध्यम से अवैध अप्रवासन, मादक पदार्थों की तस्करी, वन्यजीवों की तस्करी आदि मुद्दे

- श्रीलंका के साथ तमिल अतिवादियों की आवाजाही तथा मछुआरों का मुद्दा

- लक्षद्वीप तथा अंडमान-निकोबार के कई निर्जन द्वीपों का अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल की आशंका

- तट पर स्थित महत्वपूर्ण आर्थिक तथा सामरिक केंद्रों की प्राकृतिक तथा मानवजनित खतरों से जोखिम तथा सुभेद्यता

- समुद्री जलस्तर बढ़ना, सुनामी जैसे प्राकृतिक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तथा पर्यावरणीय खतरे एवं आपदा-प्रबंधन से जुड़ा मुद्दा

तटीय सुरक्षा को मजबूत करने हेतु प्रयास

- भारतीय तटरक्षक बल के रूप में तटीय सुरक्षा हेतु एक अलग समर्पित संस्था जिससे तटीय सुरक्षा के व्यापक, विविध तथा विशिष्ट मुद्दों के प्रति क्षमता निर्माण को बढ़ावा
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कार्यालय के अंतर्गत राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक (NMSC) का गठन ताकि तटीय एवं सामुद्रिक सुरक्षा का बेहतर प्रबंधन
- नौसेना के द्वारा भारतीय क्षेत्र की सुरक्षा
- अंडमान तथा निकोबार में एकीकृत कमान
- मछुआरों तथा स्थानीय समुदायों के मध्य जागरूकता प्रसार करके उनकी क्षमता दोहन
- स्थानीय पुलिस द्वारा प्रयास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Discuss the extent of the problem of narco-terrorism in India. What measures have been taken by the government to counter and control this problem? **(250 words) 15**
भारत में नार्को-आतंकवाद की समस्या के प्रसार पर चर्चा कीजिए। इस समस्या से निपटने और नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

मादक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से अवैध धन अर्जित करना तथा इसका आतंकी वित्तपोषण में प्रयोग करना या अन्य गैरकानूनी तथा अवैध गतिविधियों को बढ़ाने में उपयोग करना नार्को-आतंकवाद के दायरे में आता है।

भारत में नार्को-आतंकवाद की समस्या तथा प्रसार

- भारत की अवस्थिति गोल्डेन ट्रायंगल तथा गोल्डेन क्रिसेंट जैसे दुनिया के 2 प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों के मध्य जिससे ना सिर्फ गांजा, चरस जैसे मादक पदार्थों के पारगमन हब के रूप में बल्कि एक व्यापक बाजार के रूप में भारत

- म्यांमार तथा बांग्लादेश सीमा की जटिल भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से सीमापार अवैध तस्करी के माध्यम से मादक पदार्थों की आसान पहुंच
- पंजाब, राजस्थान, जम्मू आदि क्षेत्रों में पाक-प्रायोजित ड्रोन के द्वारा नशीले पदार्थों एवं ड्रग्स का भारतीय सीमा में पहुंचाया जाना
- बढ़ती शहरी जनसंख्या, युवाओं में नशे की आदत, सोशल मीडिया उपयोग आदि कारकों के सम्मिलित प्रभाव के रूप में शहरी युवकों में इसका प्रसार तथा सुलभता बढ़ना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस दिशा में सरकार के प्रयास

- स्वापक औषधि तथा मन: प्रभावी पदार्थ विनियमन अधिनियम (NDPS 1985) के माध्यम से मादक पदार्थों के उत्पादन, भंडारण, वितरण, अवैध व्यापार आदि पहलुओं पर नियंत्रण हेतु कानूनी उपबंध
- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) और संस्थागत तंत्र के माध्यम से इनका प्रसार, अवैध व्यापार, वितरण, सेवन आदि पर नियंत्रण लगाने के प्रयास
- संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय के साथ नीतिगत एवं अन्य मुद्दों पर सहयोग तथा समन्वय को बढ़ावा
- राज्य पुलिस तथा खुफिया एजेंसियों के मध्य समन्वय तथा प्रोत्साहन बढ़ाकर सूचनाओं का एकत्रीकरण तथा प्रसंस्करण करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. A mix of internal and external factors pose security threats in North-East India. Discuss. What steps has the government taken to maintain peace and stability in this region? **(250 words) 15**

आंतरिक और बाह्य कारकों का मिश्रण पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा संबंधी खतरे उत्पन्न करता है। चर्चा कीजिए। इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम जैसे उत्तर-पूर्वी राज्यों की सीमाएँ चीन, म्यांमार, भूटान, नेपाल तथा बांग्लादेश से लगती है जिसकी वजह से सुरक्षा संबंधी जोखिम एवं सुभेद्यता में वृद्धि होती है।

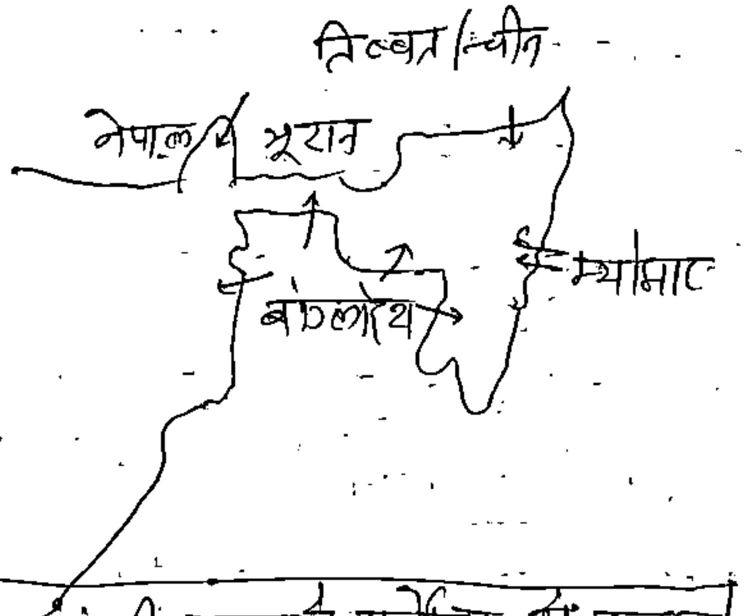

आंतरिक कारकों की वजह से पूर्वोत्तर में सुरक्षा संबंधी खतरे

- इस क्षेत्र में व्यापक नृजातीय तथा जनजातीय

विविधता विद्यमान

- ना सिर्फ राज्यों के मध्य जनजातीय विविधता बल्कि राज्यों के अंदर भी अनेकों नृजातीय विविधता एवं उनमें संघर्ष

- अनेकों राज्यों का आपसी सीमा विवाद

- केंद्रीय बलों तथा राज्य की एजेंसियों के मध्य टकराव एवं अविश्वास

- खराब अवसंरचनात्मक विकास तथा आर्थिक विफलता से अलगाववादी भावना को बढ़ावा

- कनेक्टिविटी समस्याओं से सुरक्षा एजेंसियों की पहुंच बाधित होना

- मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मानव तथा वन्यजीव व्यापार

पूर्वोत्तर में सुरक्षा संबंधी बाह्य कारक खतरे

- म्यांमार के साथ FMR की वजह से सीमा पर पहचान का मुद्दा

- म्यांमार के साथ जंगली तथा पहाड़ी दुर्गम क्षेत्र से तस्करों की आवाजाही में रोकथाम में

समस्या
- नेपाल तथा चीन से वामपंथी उग्रवाद आवाजाही सुगमता
- बांग्लादेश सीमा की प्रकृति से अवैध अप्रवासन तथा तस्करी को बढ़ावा
- संबंधित देशों की आंतरिक राजनीति से प्रभाव, जैसे- म्यांमार से रोहिंग्याओं का पलायन,

क्षेत्र में शांति-स्थिरता बनाए रखने हेतु सरकारी प्रयास

- असम राइफल्स, BSF जैसे सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता बढ़ाना तथा आधुनिकीकरण
- एक्ट ईस्ट नीति के माध्यम से व्यापक नीतिगत पहल तथा समर्थन
- सीमा पर बाड़बंदी
- स्मार्ट फेंसिंग के प्रयास
- स्थानीय समुदायों के मध्य सहयोग, समन्वय बढ़ाना तथा सूचिया इनपुट लेना
- पूर्वोत्तर में अवसंरचना तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रयास

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. In light of the increasing security challenges faced by India, state the need for achieving self-reliance in defence manufacturing. Also, discuss the challenges in this context. **(250 words) 15**

भारत के समक्ष बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के आलोक में रक्षा निर्माण में, आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की आवश्यकता का उल्लेख कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में चुनौतियों पर भी चर्चा कीजिए।

बदलते भूराजनीतिक तथा भूसामरिक परिदृश्यों, चीन-पाक गठजोड़, हिंद-महासागर क्षेत्र में चीनी आक्रामकता आदि के मद्देनजर भारत के समक्ष सुरक्षा चुनौतियां बढ़ती नजर आ रही हैं।

बढ़ती सुरक्षा चुनौतियां तथा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की आवश्यकता

– चीनी आक्रामकता, चाहे लद्दाख क्षेत्र में घुसपैठ का मामला था कोलंबो में हालिया जासूसी जहाज ठहराव का मुद्दा इन सबके मद्देनजर भारतीय सैन्य क्षमता का सुदृढ़ीकरण करना

– रक्षा वस्तुओं, उपकरणों के आयात पर अत्यधिक निर्भरता की वजह से ना सिर्फ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यापक वित्तीय खर्च बल्कि देश की राजकोषीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव एवं बढ़ता चालू खाता घाटा

- रक्षा आधुनिकीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने हेतु रक्षा आत्मनिर्भरता के प्रयासों को बढ़ावा देना

- चीन-पाक गठजोड़ की वजह से भविष्य में एकसाथ 2 मोर्चों पर युद्ध की संभावना

- हिंद महासागर क्षेत्र में निवल सुरक्षा प्रदाता के रूप में भूमिका निर्वहन की आकांक्षा

- क्षेत्रीय तथा वैश्विक शक्ति के रूप में अपने सामरिक हितों की प्रतिपूर्ति हेतु

रक्षा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में चुनौतियां

- कम बजटीय आवंटन (रक्षा व्यय पर जीडीपी का 2% से भी कम व्यय)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- अपर्याप्त तथा अक्षम बुनियादी ढांचा
- इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की सीमित भागीदारी
- अपर्याप्त शोध तथा अनुसंधान
- रक्षा उद्योग का विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं तथा अकादमिक एवं उद्योग क्षेत्र से कम जुड़ाव
- अपर्याप्त विदेशी निवेश का प्रवाह
- सरकारी दृढ़ इच्छाशक्ति तथा एक व्यवस्थित एवं सुसंगत रक्षा आत्मनिर्भर योजना का अभाव

21वीं सदी के भारत को अगर एक सुदृढ़ क्षेत्रीय तथा वैश्विक शक्ति बनना है तो उपरोक्त मुद्दों पर ध्यान देते हुए रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हेतु सरकारी प्रयासों में तेजी लानी पड़ेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Data privacy laws require a balancing act between personal liberty and sovereign security. Discuss in the context of India. **(250 words) 15**
डेटा निजता कानूनों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संप्रभु सुरक्षा के बीच एक संतुलनकारी भूमिका निभाने की आवश्यकता होती है। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

21वी सदी डाटा की सदी है जहां डाटा को एक नयी मुद्रा या वस्तु के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका दी गयी है (Data is a New oil/Money)। डाटा के बढ़ते उपयोग से इसके संग्रहण, प्रसंस्करण संबंधी अनेकों नए आयाम दिखाई पड़े है।

डाटा निजता कानूनों की आवश्यकता

- वर्तमान डिजिटल वैश्विक युग में मनुष्य की डाटा पर निर्भरता काफी बढ़ गयी है। ना सिर्फ वित्तीय-बैंकिंग क्षेत्र में बल्कि स्वास्थ्य देखभाल, निजी जानकारी प्रबंधन, दिन-प्रतिदिन के कार्यों का प्रबंधन, सोशल मीडिया उपयोग आदि आयामों के अंतर्गत भी डाटा की प्रासंगिकता तथा महत्व बढ़ा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- निजता का अधिकार मूल अधिकार के अंतर्गत एक पहलू है तथा व्यक्तिगत डाटा को निजी रखना एक महत्वपूर्ण मुद्दा है

- इस संदर्भ में बी. एन. श्रीकृष्णा समिति की सिफारिशें तथा व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक जैसे प्रयास भारतीय संदर्भ में दिखाई पड़ते हैं।

डाटा निजता तथा देश की सुरक्षा एवं संप्रभुता

- निजता तथा सुरक्षा के मध्य डाटा की भूमिका महत्वपूर्ण जिसके अंतर्गत डाटा के प्रकार तथा उसकी प्रकृति का सावधानीपूर्वक एवं स्पष्ट तथा वस्तुनिष्ठ विश्लेषण आवश्यक

- आंतरिक सुरक्षा तथा अन्य जोखिमों में दंगों, फेक न्यूज, हेट स्पीच, सोशल मीडिया जैसे गैर-पारंपरिक आयामों की संलग्नता के मद्देनजर निजता की सीमा को परिभाषित करने की आवश्यकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- पुट्टुस्वामी वाद के बाद निजता का अधिकार मौलिक अधिकार में समाहित जिससे डाटा ~~कानूनों~~ कानूनों के मूल-अधिकारों के साथ जुड़ाव के संदर्भ में स्पष्ट समझ बनाना

- डाटा कानूनों के अंतर्गत पर्याप्त वैधानिक तथा संस्थागत उपाय सुनिश्चित करना ताकि व्यक्ति के निजी डाटा का दुरुपयोग ना हो

- सुरक्षा के नए, उभरते खतरों के मद्देनजर व्यवस्थित डाटा प्रसंस्करण आधारित अपराध पैटर्न प्रणाली के विश्लेषण में इसका उपयोग

हालांकि निजता व्यक्ति की स्वतंत्रता तथा गरिमा हेतु महत्वपूर्ण है लेकिन साथ ही देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है अतः डाटा कानूनों के निर्माण के समय पर्याप्त शोध, विचार-विमर्श तथा हितधारकों की राय लेकर आगे बढ़ने का दृष्टिकोण होना चाहिए।